सतगुरु केवटिया बण आवो नैया पार लगाओ जी

सतगुरु केवट्या बण आवो, नय्या पार लगाओ जी,
पार लगाओ जी नय्या मेरी, पार लगाओ जी,

आप तारण उभारण हो दाता, माने क्यूं बिसरावो जी,
मैं तो चरण शरण अनुरागी, बंधन से मुक्त कराओजी,

लट भंवरा की सुणी बाता, मन में लागी खाताजी,
जन्म मरण का मेटो झगड़ा, माने तगड़ा बनाओ जी,

मोह ममता में बंधियो भारी, जीव चौरासी में त्यारी जी,
पारब्रह्म से जोड़ो माने, ब्रह्म ज्ञान सुणाओ जी,

जीव ब्रह्म का भेद मिटाओ, अद्वेत ब्रह्म लिखाओ ,
संशय सारो दूर भगावो, शरण में बिठाओ जी,

गोकुल स्वामी सतगुरु दाता, भिन्न-भिन्न कर समझाता,
लादूदास चरणा माहि, ज्ञान भाण उगावो जी ,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21867/title/satgutu-kevatiya-ban-aao-naiya-par-lagao-ji

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |